क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 02 अंक: 22, गुरुवार, 14 फरवरी, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत के हर घर पर भाजपा के झंडे लहराएंगे : प्रकाश जावेड़कर

नई दिल्ली। भाजपा के अपने महत्वाकांक्षी 'मेरा परिवार, भाजपा परिवार' अभियान मंगलवार को शुरू करने के बाद मानव संसाधन विकास मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने कहा कि जल्द ही देश की हर गली हर घर में भाजपा का झंडा लहराएगा। जावड़ेकर ने कहा, '' कुछ दिनों में आप देखेंगे कि पूरे भारत में हर गली में भाजपा के झंडे हैं। आप इसे दूर से देख सकेंगे। यह अभियान आगामी 10-15 दिन चलेगा और हर किसी तक पहुंचेगा। यह अपनी तरह का अनूठा अभियान है। हमने उपचुनाव में यह अभियान शुरू किया था। हमने इसमें अच्छी सफलता हासिल की थी।'' उन्होंने कहा, '' आज से भाजपा ने 'मेरा परिवार, भाजपा परिवार' अभियान शुरू किया है। इस के तहत कार्यकर्ता अपने घरों में भाजपा का झंडा लगाएंगे और अपने घरों तथा गाड़ियों में पार्टी का स्टीकर लगाएंगे। स्टिकर पर लिखा है- फिर एक बार, मोदी सरकार।''

जेल जाने के डर से विपक्षी नेता बना रहे महाठगबंधन : रमन सिंह

रांची। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह ने लोकसभा चुनावों के मद्देनजर विपक्षी दलों में गठबंधन के चल रहे प्रयासों को एक-दूसरे को आपराधिक मामलों में बचाने की कोशिश करार दिया और कहा कि यह वास्तव में महागठबंधन नहीं बल्कि 'महाठगबंधन' है। रमन सिंह ने आज यहां भाजपा के शक्ति केंद्र सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, ''विपक्षी नेता अपने राज के समय किये गये भ्रष्टाचार और घोटालों के खुलने के डर से घबराकर जेल जाने से बचने के लिए महागठबंधन बनाने का प्रयास कर रहे हैं।'' सिंह ने कहा, ''वास्तव में यह विपक्षी नेताओं का महागठबंधन नहीं है, यह तो उनका महाठगबंधन है।'' उन्होंने कहा कि संप्रग में खलबली मची हुई है।

गांधी परिवार पर शाह का तंज, हमने राजतंत्र को हटाया और कुछ लोग अब भी इस पर अड़े हैं

शाह ने कहा कि भाजपा में पार्टी कार्यकर्ताओं को ऊंचे पद पर काबिज होने के लिए किसी खास परिवार में जन्म नहीं लेना होता

गोधरा।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष अमित शाह ने गांधी परिवार पर मंगलवार को निशाना साधते हुए कहा कि भारत ने राजतंत्र को खारिज कर लोकतंत्र को अपनाया लेकिन कुछ लोग अब भी इसमें यकीन रखते हैं। पंचमहल जिले के गोधरा नगर में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए शाह ने यह भी दावा किया कि कांग्रेस में प्रधानमंत्री की सीट ''जन्मजात आरक्षित'' है। उन्होंने पूछा कि क्या इस पार्टी का कोई कार्यकर्ता कभी शीर्ष पद पाने की सोच सकता है। गांधी परिवार का नाम लिए बिना उन्होंने कहा, ÷एक राजतंत्र में राजा के बेटे या बेटी को गद्दी मिलती है। यहां तक कि उसका दामाद भी राजा बन सकता है। भले ही हमारे देश ने राजतंत्र को छोड़ लोकतंत्र को अपनाया पर कुछ लोग अब भी इसमें यकीन रखते हैं। उन्होंने लोकतंत्र का मजाक बना दिया है। आज गुजरात के गोधरा में पंचमहल, दाहोद और छोटा उदयपुर लोकसभा क्षेत्र के शक्तिकेन्द्र सम्मेलन को संबोधित किया।

गुजरात के सभी कार्यकर्ता प्रदेश में लोक सभा की 26 की 26 सीटों पर भाजपा को जीता कर फिर एक बार-मोदी सरकार बनाने के लिए संकल्पित हैं।

गांधी परिवार पर अपना हमला जारी रखते हुए शाह ने कहा कि भाजपा में पार्टी कार्यकर्ताओं को ऊंचे पद पर काबिज होने के लिए किसी खास परिवार में जन्म नहीं लेना होता। उन्होंने पूछा, ''क्या कांग्रेस का कोई कार्यकर्ता प्रधानमंत्री बनने की सोच सकता है? नहीं क्योंकि उस पार्टी में यह सीट जन्मजात आरक्षित है।'' साथ ही उन्होंने कहा कि भाजपा में एक कार्यकर्ता भी मुख्यमंत्री या यहां तक कि प्रधानमंत्री भी बन सकता है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा में उनके जैसा एक आम बूथ कार्यकर्ता पार्टी का अध्यक्ष बन सकता है और एक 'चायवाला' (मोदी) प्रधानमंत्री बन सकता है। शाह ने कहा, ''मैं भाजपा का एक बूथ कार्यकर्ता था। मैं पार्टी का अध्यक्ष बन गया। चायवाला देश का प्रधानमंत्री बन गया।'' लोकसभा चुनाव से पहले प्रियंका गांधी को कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने पिछले महीने पार्टी महासचिव एवं पूर्वी उत्तर प्रदेश की प्रभारी नियुक्त किया था।

भाजपा कार्यकर्ताओं के 'क्लस्टर सम्मेलन' में शाह ने यह भी कहा कि कांग्रेस नेताओं राहुल गांधी एवं प्रियंका गांधी वाड्रा को राम मंदिर विवाद पर अपना रुख साफ करना चाहिए। भाजपा प्रमुख ने कहा, ÷मैं साफ कर देना चाहता हूं कि भाजपा जल्द से जल्द और उसी स्थान पर भव्य राम मंदिर के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है।

पूरे देश में भय और संघर्ष का माहौल है: सोनिया गांधी

नई दिल्ली।

सोनिया गांधी ने कांग्रेस संसदीय दल की बैठक में मोदी सरकार हमला करते हुए कहा कि लगातार संविधान के मूल्यों, सिद्धांतों और प्रावधानों पर हमला किया जा रहा है। सोनिया ने कहा कि संस्थाओं को बर्बाद किया जा रहा है और राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि आज असहमत लोगों को दबाया जा रहा है और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का गला घोंटने का प्रयास किया जा रहा है। सोनिया गांधी ने कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के लिए कहा कि वह अथक परिश्रम कर रहे हैं और भारत के लिए हमारे दृष्टिकोण के समान विचारधारा रखने वाले दलों से भी मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नए अध्यक्ष संगठन में नई ऊर्जा ले आए हैं, उन्होंने ऐसी टीम बनाई है जिसमें अनुभवी और युवा दोनों का समावेश है। अध्यक्षा ने कहा कि पूरे देश में भय और संघर्ष का माहौल है। उन्होंने कहा कि राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में जीत ने कांग्रेस को नई आशा दी है, इससे पहले प्रतिद्वंद्वी को अजेय बताया जा रहा था।

गांव, गरीब, दलित और आदिवासी के जीवन को बदलना है: रघुवर दास

उन्होंने कहा कि ऐसे में हमारी और आप की भूमिका बढ़ जाती है। ये आकांक्षी जिले आदिवासी बहुल गांवों वाले हैं और हमें मिलकर इन गांव को बदलना है।

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री रघुवर दास ने कहा कि गांवों, गरीबों, आदिवासियों, दलितों और शोषितों के जीवन में बदलाव लाना है और यह काम जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं पदाधिकारियों के बीच आपसी समन्वय से होगा। मुख्यमंत्री रघुवर दास ने मंगलवार को पंचायती राज विभाग द्वारा आयोजित राज्य के सभी मुखियाओं के एक दिवसीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए दास ने कहा कि देश भर के 110 जिले आकांक्षी जिले हैं जबकि झारखण्ड के 24 जिलों में से 19 इस श्रेणी में आते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे में हमारी और आप की भूमिका बढ़ जाती है। ये आकांक्षी जिले आदिवासी बहुल गांवों वाले हैं और हमें मिलकर इन गांव को बदलना है। मुख्यमंत्री ने कहा राज्य सरकार ने मात्र 4 साल के कार्यकाल में 29 लाख घरों तक बिजली पहुंचा दी है। राज्य में 67 वर्षों में मात्र 38 लाख घरों तक बिजली थी और 30 लाख घर बिजलीविहीन थे। जिसे हमने 4 साल में बिजली से आच्छादित किया। बचे हुए 1 लाख घर तक मार्च 2019 तक बिजली पहुंच जायेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 10 हजार घर और 247 गांव दुर्गम स्थानों में बसे हुए हैं और वहां सोलर के माध्यम से बिजली पहुंचाई जायेगी।

डबल रोल में कपिल सिब्बल, पहले अनिल अंबानी का विरोध किया, फिर उनके लिए कोर्ट में पेश हुए

भाजपा ने कहा कि रिलायंस की तरफ से सिब्बल के पेश होने से कांग्रेस का पर्दाफाश हो गया है

नई दिल्ली।

भाजपा ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस के अनिल अंबानी समूह के साथ करीबी रिश्तेहैं और विपक्षी पार्टी के वरिष्ठ नेता कपिल सिब्बल का कई मामलों में उद्योगपति के समूह का ''पक्ष लेना''पार्टी का पर्दाफाश करता है। भाजपा की ओर से यह हमला तब किया गया है जब वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को एक सुनवाई में रिलायंस की तरफ से पेश हुए। यह सुनवाई एरिक्सन इंडिया द्वारा रिलायंस कम्युनिकेशन्स लिमिटेड (आरकॉम) के चेयरमैन अनिल अंबानी एवं अन्य के खिलाफ दायर अवमानना से जुड़ी थी। एरिक्सन इंडिया ने यह मामला 550 करोड़ रुपये के बकाये का भुगतान नहीं करने को लेकर दायर किया है। दरअसल कांग्रेस राफेल मुद्दे पर सरकार को लगातार घेर रही है। उसका आरोप है कि राफेल डील से अनिल अंबानी को लाभ मिला। कपिल सिब?बल ने भी ट्वीट कर मंगलवार सुबह पहले इस मसले पर अनिल अंबानी को घेरा लेकिन उसके बाद उसी दिन एरिक?सन मामले में अंबानी की तरफ से पेश हुए। भाजपा प्रवक्ता जीवी एल नरसिम्हा राव ने सिब्बल द्वारा अंबानी की आलोचना करने और अदालत में रिलायंस की ओर से पेश होने के लिए कांग्रेस पर हमला बोला और कहा, ''राहुल गांधी और कांग्रेस दुष्प्रचार में लिप्त हैं क्योंकि कंपनी (अनिल अंबानी समूह) जिसके बारे में उनका आरोप है कि उसे यहां (राफेल सौदे में) लाभ हुआ, उसे इस सरकार में कोई लाभ नहीं हुआ बल्कि उसे तब अनुचित लाभ हुआ जब कांग्रेस सत्ता में थी।'' इस बीच राफेल मुद्दे पर कांग्रेस और भाजपा के बीच जारी वाकयुद्ध का स्तर मंगलवार को और नीचे चला गया जब राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर देशद्रोह और अनिल अंबानी के बिचौलिये के रूप में काम करने का आरोप लगाया। इस पर पलटवार करते हुए सत्तारूढ़ दल ने दावा किया कि उन्होंने विदेशी कंपनियों के लिए ''लॉबीस्ट'' के तौर पर काम किया। भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने पलटवार करते हुए कहा कि गांधी परिवार का देश को लूटने का इतिहास रहा है। साथ ही उन्होंने कहा कि यह ''बेशर्मी और गैरजिम्मेदारी की पराकाष्ठा'' है कि कांग्रेस अध्यक्ष ईमानदार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कीचड़ उछाल रहे हैं। मोदी पर ताजा हमला बोलते हुए गांधी ने 28 मार्च, 2015 को एयरबस के कार्यकारी निकोलस कैमस्की द्वारा कथित तौर पर लिखा गया ईमेल मीडिया में जारी किया। सब्जेक्ट में अंबानी लिखे इस ईमेल को तीन लोगों को भेजा गया था।

शिवसेना ने सामना में लिखा, 'हमें टीडीपी और पीडीपी में फर्क पता है'

मुंबई।

शिवसेना ने अपने मुखपत्र सामना के जरिए एक बार फिर से केंद्र की बीजेपी सरकार पर निशाना साधा है। बता दें कि दो दिन पहले विशेष राय के दर्जे के लिए दिल्ली में आकर टीडीपी के नेता और आंध्र के मुख्यमंत्री चंद्राबाबू नायडू के प्रदर्शन स्थल पर शिवसेना के प्रवक्ता संजय राऊत पहुंचे थे। शिवसेना नेता ने वहां जाकर नायडू के आंदोलन को समर्थन की घोषणा की थी। जिसे लेकर सोशल मीडिया पर शिवसेना की आलोचना हुई थी। लोगों ने सत्ता में होने के बावजूद विरोधी खेमे का दामन पकड़ने पर लताड लगाई थी।

शिवसेना के सरकार विरोधी रवैये से बीजेपी भी परेशान है। लेकिन इसका जवाब पार्टी के मुखपत्र के जरिए दिया है। पार्टी ने लिखा है, राजनीति करते समय शिवसेना ने देश का विचार पहले किया। पीठ पर वार कर इस उंगली की थूक को उस उंगली पर लगाकर, स्वार्थ के बंगले नहीं बनाए। अछे को अछा और बुरे को बुरा, ऐसा एक हिम्मत के साथ मुंह पर बोलने की धमक शिवसेना में है। उस स्वाभिमान को किसी के पैरों तले गिरवी रखकर निर्णय लेने की विकट परिस्थिति हम पर नहीं आएगी। इसे हमारे प्रिय विरोधी ध्यान में रखें।लेख में आगे लिखा है, जिनके साथ हमारा मतभेद है, ऐसे लोगों के 'मंच' पर या खाट पर जाने वालों को भी हमने शुभकामनाएं दी हैं। तुम्हारी वो राजनीति, चाणक्य नीति। फिर अन्य लोगों का क्या? हमें 'पीडीपी' और 'टीडीपी' के बीच का अंतर समझ में आता है। उतनी प्रखर राष्ट्र भावना की मशाल हमारे अंतर्मन में जल रही है। हम पर जलनेवालों को यह पता हो, बाकी स्नेह बना रहे।

जारी है ऑपरेशन ऑलआउट, बडगाम में आज 2 आतंकियों का सफाया

श्रीनगर: जम्मू कश्मीर में आतंकियों के खात्मे के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन ऑलआउट के तहत सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली है। बडगाम जिले में सुरक्षाबलों ने दो आतंकियों को ढेर कर दिया। आतंकियों से ये मुठभेड़ बडगाम जिले के चंदोरा के गोपालपोरा इलाके में हुई। सुरक्षाबलों को इस इलाके में आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली थी। जिसके बाद बीती रात करीब 1 बजे आतंकियों की तलाशी के लिए सर्च ऑपरेशन चलाया गया। तड़के 3 बजे आतंकियों ने खुद को घिरा देख सुरक्षाबलों पर फायरिंग कर दी। ऑपरेशन को सेना, सीआरपीएफ और जम्मू कश्मीर पुलिस की ज्वाइंट टीम ने अंजाम दिया। फायरिंग रुकने के बाद मारे गए दोनों आतंकियों के शव बरामद कर लिए गए है और पहचान फिलहाल नहीं हुई है। सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके को घेर लिया है और सर्च ऑपरेशन जारी है। इस इलाके में और भी आतंकियों के छिपे होने की आशंका के चलते सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। इससे पहले पुलवामा जिले में मंगलवार को सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ में हिज्बुल मुजाहिदीन का एक आतंकवादी मारा गया जिसने पिछले साल यहां एक अस्पताल से लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर नवीद जट को भगाने में मदद की थी। मुठभेड़ में एक सैनिक भी शहीद हो गया और एक अन्य सैनिक घायल है। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया था कि आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी मिलने के बाद सुरक्षाबलों ने रात में दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले में रतनीपुरा इलाके की घेराबंदी कर तलाश अभियान शुरू किया।

दिल्ली आ रहीं ममता के लिए शहर में लगे पोस्टर, 'दीदी यहां खुलकर मुस्कुराइये आप लोकतंत्र में हैं'

नई दिल्ली।

केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ दिल्ली के जंतर मंतर पर आज आम आदमी पार्टी तानाशाही हटाओ, लोकतंत्र बचाओ सत्याग्रह के नाम से रैली करने जा रही है। ऐसा बताया जा रहा है कि कई विपक्षी दल इस आयोजन का हिस्सा बनेंगे। ऐसा बताया जा रहा है कि पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी और आंध्र के सीएम चंद्रबाबू नायडू के अलावा कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी भी इस रैली में शामिल होंगे। ममता दीदी के इस रैली में शामिल होने के लिए दिल्ली आने की खबरों के बीच शहर की सड़कों पर बुधवार सुबह एक अलग पोस्टर लगा दिखाई दिया। ममता दीदी के स्वागत के लिए लगाए गए इस पोस्टर में उन्हें लेकर तंज कसा गया है। पोस्टर में ममता बनर्जी की गुस्सेवाली तस्वीर वाले कार्टून के साथ में लिखा है, दीदी आपको यहां जनता को संबोधित करने से कोई नहीं रोकेगा। ये सभी पोस्टर्स यूथ फॉर डेमोक्रेसी नाम के संगठन द्वारा लगाए गए है। बता दें कि ममता बनर्जी सरकार द्वारा पश्चिम बंगाल में बीजेपी के कई नेताओं को रैली करने से रोकने और उनके हेलीकॉप्टर को नहीं उतरने देने को लेकर सवाल उठ रहे थे। हालांकि ममता दीदी ने इन सभी आरोपों को खारिज कर दिया था। लेकिन बीजेपी अध्यक्ष अमित शाह की रथयात्रा और यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के हेलीकॉप्टर को उतरने की अनुमति नहीं मिलने के बाद ममता बनर्जी को तीखी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। बीजेपी ने आरोप लगाया था कि ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र की हत्या करने का काम कर रही हैं।

दिल्ली में आज होने वाली रैली के बारे में आम आदमी पार्टी दिल्ली के संयोजक गोपाल राय ने मंगलवार को बताया था कि रैली में पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा, नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) नेता फारूक अब्दुल्ला और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख शरद पवार भी हिस्सा लेंगे।

उन्होंने बताया, समाजवादी पार्टी, द्रमुक, राष्ट्रीय जनता दल, राष्ट्रीय लोक दल और अन्य पार्टियों के नेता भी इस महारैली को संबोधित करेंगे।

संपादकीय

लोकप्रियतावादी

महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने लखनऊ में सफल रोड शो करके धमाकेदार राजनीति की शुरुआत की है। प्रियंका का स्वागत करने के लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भीड़ जिस उत्साह के साथ जुटी उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि पार्टी में नया जोश और नई ऊर्जा का संचार सुनिश्चित है। भारतीय मतदाता और खास तौर से अराजनीतिक मतदाता, जो किसी राजनीतिक दल विशेष के प्रति प्रतिबद्ध नहीं होता, वह लोकप्रियतावाद से प्रभावित रहता है। यह लोकप्रियता चाहे फिल्म, टेलीविजन या खेल के माध्यम से मिले, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मतदाताओं के इस वर्ग को राजनीतिक योगदान दिखाई नहीं देता। इसीलिए फिल्म अभिनेता या अभिनेत्री चुनाव में स्टार प्रचारक होते हैं, और सभी राजनीतिक दल इनका इस्तेमाल भी करते हैं। इस मायने में प्रियंका किसी भी फिल्म स्टार से ज्यादा लोकप्रिय रही हैं, और जन्म से ही लोकप्रिय रही हैं। वह हमेशा खबरों में बनी रहती हैं। जब उनकी शादी हुई तब वह खबरों में थीं, उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में पढ़ने वाले अपने बच्चों से जब मिलने जाती हैं, तब प्रेस फोटोग्राफर और संवाददाता खबरों के लिए उनके पीछे पड़ जाते हैं। पिछले चुनाव में जब उन्होंने अपनी मां की मदद की थी, तब अखबारों और न्यूज चैनलों की सुर्खियों में रहीं। आशय यह कि प्रियंका के साथ लोकप्रियतावादी मूल्य उनके जन्म से ही जुड़ा है। लखनऊ में रोडशो के दौरान उनका यह लोकप्रियतावादी मूल्य दिखाई दिया। निस्संदेह भारतीय चुनाव में इस लोकप्रियतावादी मूल्य की बड़ी भूमिका होती है, और कईबार देखा गया है कि यह लोकप्रियता वोट में भी तब्दील हुईहै। इसलिए बहुत संभव है कि आगामी लोक सभा चुनाव में प्रियंका फैक्टर काम करेगा और कांग्रेस की ताकत में इजाफा होगा। लेकिन ऐसा भी नहीं है कि सिर्फप्रियंका फैक्टर के कारण कांग्रेस का कायाकल्प हो जाएगा। कांग्रेस आला कमान भी इस तय को समझता है। शायद यही वजह है कि कांग्रेस के इस रोडशो में सोशल इंजीनियरिंग भी दिखाई दी। राहुल के साथ बस में जो नेता बैठे थे, उनमें ब्राह्मण नेता जतिन प्रसाद, ओबीसी नेता आरपीएन सिंह, दलित नेता पीएल पुनिया और अल्पसंख्यक वर्ग के इमरान मसूद को विशेष तौर पर जगह दी गई थी। लेकिन सबसे बड़े सूबे उत्तर प्रदेश में पूरी तरह से ढह चुके कांग्रेस संगठन को खड़ा करना पार्टी के लिए बड़ी चुनौती भी है।

रवैया दुर्भाग्यपूर्ण

क्राग्रेस के यह कहने के बाद कि वह 2019 में सत्ता में आई तो तीन तलाक संबंधी कानून खत्म करेगी, यह साफ हो गया है कि इस कानून का अस्तित्व में रहना मुश्किल है। सुष्मिता देव महिला कांग्रेस की प्रमुख है, इसलिए यह पार्टी का अधिकृत रुख माना जाएगा। मोदी सरकार को राज्य सभा में कांग्रेस का समर्थन नहीं मिलेगा तो यह पारित नहीं होगा। जाहिर है, तत्काल अध्यादेश के रूप में ही इसे कायम रखा जा सकता है। इसका मतलब हुआ कि तीन तलाक काननू का भविष्य आने वाली सरकार की सोच पर निर्भर करेगा। कांग्रेस अभी तक तीन तलाक कानून को लेकर असमंजस में दिख रही थी। किंतु अब उसने अपना स्टैण्ड साफ कर लिया है। हालांकि इसके पीछे कानून की आवश्यकता से ज्यादा लोक सभा चुनाव में मुसलमान वोट पाने की चाहत प्रमुख है। मुसलमानों में बड़ा वर्ग एक साथ तीन तलाक को लेकर इस गलतफहमी में है कि यह उसके मजहब का भाग है। सर्वोच्च न्यायालय ने साफ कर दिया कि इसका इस्लाम से कोई लेना-देना नहीं है। इस आधार पर उसने इस्लाम में निर्धारित तील तलाक की प्रक्रिया के अलावा सभी प्रकारों को असंवैधानिक घोषित कर दिया। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा इसे असंवैधानिक घोषित करने के बाद संसद का दायित्व है कि उसे लागू करने के लिए कानून बनाए। न्यायालय कानून नहीं बना सकता। तलाक का शिकार होने वाली पीड़ित महिलाएं थाने में या न्यायालय में मुकदमा तभी दर्ज कर सकेंगी जब इसके लिए कानून हो। यह कानून के राज के नाम पर तमाचा होगा और ऐसा हो रहा है। सुष्मिता देव अल्पसंख्यक मोर्चा के सम्मेलन में बोल रहीं थीं। वहां इसकी आवाज उठी होगी। वह लोगों के समक्ष उचित-अनुचित पक्ष रखे न कि वोट के लिए किसी का तुष्टिकरण करे। वोट के लिए कट्टरपंथियों का पक्ष लेना और उत्पीड़ित महिलाओं को उनके हाल पर छोड़ देने की राजनीति देश के भविष्य के लिए भी अच्छा नहीं है। ऐसे ही रवैये से मजहब में कट्टरपंथी मजबूत होते हैं और विवेकशील उदारवादी कमजोर। जो पुरुष तीन तलाक के नाम पर अपनी निदरेष पति का जबरन परित्याग करने का असंवैधानिक कृत्य करेगा, उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई होनी ही चाहिए। ऐसा नहीं हुआ तो फिर इस सामाजिक अन्याय का रोकना संभव नहीं होगा।

सरकार के बजट घाटे

अमेरिका सहित दुनिया के कई देशों में नोट छापकर ही राजकोषीय घाटे की भरपाई की जाती रही है। घाटे को पूरा करने के लिए नये नोट छापने की हिनार्थ प्रबंधन (डेफिसिट फाइनेंसिंग) की नीति से मुद्रा प्रसार और महंगाई बढ़ने की आशंका बनी रहती है। इसी के मद्देनजर 2003 में वाजपेयी सरकार द्वारा वित्तीय जवाबदेही और बजट प्रबंधन कानून लागू किया गया। इसके तहत को वित्तीय घाटे को निर्धारित सीमा तक सीमित रखना सुनिश्चित किया गया है। गौरतलब है कि 5 फरवरी को नियंतण्र क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडीज ने कहा है कि मोदी सरकार द्वारा वित्त वर्ष 2019-20 के लिए प्रस्तुत अंतरिम बजट के तहत राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 3.4 प्रतिशत रखे जाने का जो लक्ष्य निर्धारित किया गया है, उसे हासिल करने में सरकार को चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। मूडीज ने कहा है लोकलुभावन अंतरिम बजट में खर्च बढ़ाने के कदम उठाए गए हैं।

सतीश पेडणोकर

10 फरवरी को कार्यवाहक वित्त मंत्री पीयूष गोयल ने नये अंतरिम बजट-2019 के तहत राजकोषीय घाटे के लक्ष्य से पार पाने के परिप्रेक्ष्य में घाटे को पूरा करने के लिए नये नोट छापने संबंधी व्यवस्था की वकालत की है। वस्तुत: भारतीय रिजर्व बैंक 1997 के पहले कई बार सरकार के बजट घाटे को पूरा करने के लिए नोट छापने का कदम उठाता रहा है। अमेरिका सहित दुनिया के कई देशों में नोट छापकर ही राजकोषीय घाटे की भरपाई की जाती रही है। घाटे को पूरा करने के लिए नये नोट छापने की हिनार्थ प्रबंधन (डेफिसिट फाइनेंसिंग) की नीति से मुद्रा प्रसार और महंगाई बढ़ने की आशंका बनी रहती है। इसी के मद्देनजर 2003 में वाजपेयी सरकार द्वारा वित्तीय जवाबदेही और बजट प्रबंधन कानून लागू किया गया। इसके तहत को वित्तीय घाटे को निर्धारित सीमा तक सीमित रखना सुनिश्चित किया गया है।

5 फरवरी को नियंतण्र क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडीज ने कहा है कि मोदी सरकार द्वारा वित्त वर्ष 2019-20 के लिए प्रस्तुत अंतरिम बजट के तहत राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 3.4 प्रतिशत रखे जाने का जो लक्ष्य निर्धारित किया गया है, उसे हासिल करने में सरकार को चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। मूडीज ने कहा है लोकलुभावन अंतरिम बजट में खर्च बढ़ाने के कदम उठाए गए हैं। यद्यपि बजट में राजस्व बढ़ाने के पर्याप्त उपाय नहीं किए गए हैं, लेकिन निश्चित रूप से अंतरिम बजट की घोषणाओं से विकास को बल मिलेगा। सरकार ने इससे पहले राजकोषीय घाटे को मार्च, 2020 तक जीडीपी के 3.1 प्रतिशत तक और मार्च, 2021 तक 3 प्रतिशत तक सीमित रखने की प्रतिबद्धता जताई थी। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी फिच ने कहा है कि वित्त वर्ष 2019-20 में राजकोषीय घाटा जीडीपी का 3.6 प्रतिशत रहेगा। उल्लेखनीय है कि विभिन्न रेटिंग एजेंसियों की तरह देश-दुनिया के कर विशेषज्ञों और अर्थशास्त्रियों ने राजकोषीय घाटे के घोषित लक्ष्य को चुनौतीपूर्ण बताया है।

यह भी कहा है कि अनुकूल आर्थिक परिवेश में मोदी सरकार अपना अंतरिम बजट प्रस्तुत करते समय पूर्ण स्वायत्तता का उपयोग करते हुए बजट को सभी के लिए हितप्रद बनाते हुए दिखाई दी है। चूंकि 2019-20 का अंतरिम बजट आम चुनाव के पहले का आखिरी बजट था, अतएव इसे लोकलुभावन बनाया गया है। निश्चित रूप से बजट को लोकलुभावन बनाने के लिए सरकार राजकोषीय घाटे संबंधी कठोरता से कुछ पीछे हटी है।

आगामी वित्त वर्ष के लिए राजकोषीय घाटे को जीडीपी के 3.4 प्रतिशत तक सीमित रखने का लक्ष्य रखा गया है। मौजूदा वित्त वर्ष 2018-19 में राजकोषीय घाटे को जीडीपी के 3.3 प्रतिशत तक सीमित रखने का लक्ष्य रखा गया है, लेकिन यह भी तय लक्ष्य से ज्यादा होता दिख रहा है। निस्संदेह देश के समक्ष वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान बढ़े हुए राजकोषीय घाटे की चिंताएं मुंहबाएं खड़ी हैं। वित्त वर्ष 2018-19 के बजट में राजकोषीय घाटे का लक्ष्य 6.24 लाख करोड़ रु पये रखा गया था, यह व्यय दिसम्बर, 2018 के अंत तक 7.01 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है, जो बजट अनुमान से करीब 12.4 प्रतिशत ज्यादा है। स्पष्ट है कि वित्तीय वर्ष 2018-19 के पिछले 9 माह में जो राजकोषीय घाटा ऊंचाई पर पहुंच गया है, उसे पाटा जाना मुश्किल है। वित्त वर्ष 2018-19 के दिसम्बर माह तक यानी पहले नौ महीनों में जहां प्रत्यक्ष कर संग्रह में 14.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, वहीं अप्रत्यक्ष कर संग्रह पिछले साल के बराबर बना हुआ है। व्यय की तुलना में राजस्व पर दबाव ज्यादा दिख रहा है। प्रत्यक्ष कर के तहत कॉरपोरेट कर संग्रह 14 प्रतिशत बढ़कर दिसम्बर के अंत तक 4.27 लाख करोड़ रु पये हो गया, जो पिछले साल की समान अवधि में हुए 3.75 लाख करोड़ रु पये की तुलना में ज्यादा है। वहीं आयकर संग्रह में 15.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, और यह पिछले साल के 2.62 लाख करोड़ से बढ़कर 3.02 लाख करोड़ रुपये हो गया है। दिसम्बर के अंत तक केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (सीजीएसटी) संग्रह 3.4 लाख करोड़ रुपये रहा। जनवरी तक कुल संग्रह 3.76 लाख करोड़ रु पये रहा। इससे पता चलता है कि फरवरी और मार्च, 2019 में सीएसजीटी संग्रह से 1.28 लाख करोड़ रु पये की वसूली की जरूरत है, जिससे 5.04 लाख करोड़ रुपये का लक्ष्य पूरा हो सके। गैर-कर राजस्व बजट के लक्ष्य का 60 प्रतिशत हुआ है। वहीं दिसम्बर के अंत तक विनिवेश प्रक्रिया से 34,215 करोड़ रुपये आए हैं, जबकि लक्ष्य 80,000 करोड़ रुपये का रखा गया है। वहीं दूसरी ओर दिसम्बर के अंत तक कुल व्यय पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 7.8 प्रतिशत ज्यादा था। दो मत नहीं कि चालू वित्त वर्ष में सरकार द्वारा नियंतण्र आर्थिक घटनाक्रम के कारण राजकोषीय घाटे की बढ़ती चिंताएं लगातार अनुभव की गई हैं। यही कारण है कि चालू वित्त वर्ष में कमजोर हुए रुपये की वजह से सरकार लगातार अपने जमा-खर्च के अकाउंट की समीक्षा करती रही है। इस दौरान कई कम जरूरी खर्चों पर नियंतण्र किया गया और कई क्षेत्रों में आमदनी बढ़ाने का भी प्रयास हुआ है। अब सरकार ने वित्त वर्ष 2018-19 के दौरान बचे दो महीनों में यानी फरवरी और मार्च, 2019 में होने वाले गैर-जरूरी खर्चों पर लगाम लगाने की रणनीति भी बनाई हैं। मौजूदा वित्त वर्ष में सरकार अपना उधारी कार्यक्रम पहले ही 70 हजार करोड़ रु पये घटाकर 6.05 लाख करोड़ रु पये कर चुकी है। निश्चित रूप से 2019-20 के अंतरिम बजट में विभिन्न वगरे की उम्मीदों को पूरा करने के लिए लोकलुभावन प्रावधान सुनिश्चित हुए हैं, उससे चालू वित्तीय वर्ष की तुलना में वित्तीय वर्ष 2019-20 में आमदनी की तुलना में व्यय तुलनात्मक रूप से अधिक होंगे क्योंकि विभिन्न उम्मीदों को पूरा करने के लिए अधिक धन की जरूरत होगी। लेकिन तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के लिए राजकोषीय घाटे के आकार में कुछ वृद्धि उपयुक्त ही कही जा सकती है। ऐसे सीमित राजकोषीय घाटे से एक ओर आम आदमी की क्रय शक्ति बढ़ेगी, जिससे नई मांग निकलेगी और उद्योग-कारोबार की गतिशीलता बढ़ेगी वहीं दूसरी ओर बढ़े सार्वजनिक व्यय एवं निवेश से बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी। लेकिन जरूरी है कि सरकार नोट छापकर घाटा पूरा करने का कोई कदम उठाने की बजाय राजकोषीय घाटे को नियंत्रित करने की रणनीति के साथ आगे बढ़ा जाए। सरकार राजकोषीय घाटे को लक्ष्य के अनुरूप जीडीपी के 3.4 फीसद के स्तर पर बनाए रखने में सफल होगी तो यह बड़ी उपलब्धि होगी।

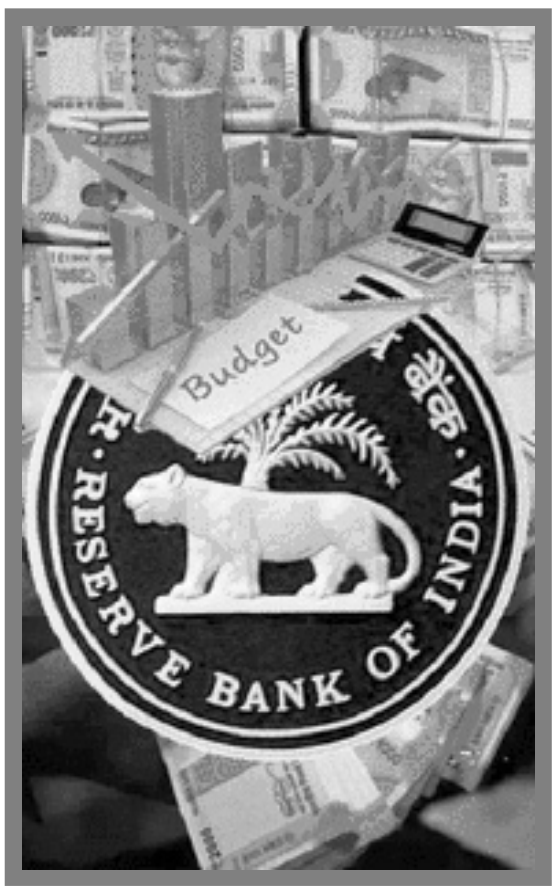

चलते चलते

बहुमूल्यता

चोर कित्तौ सामान लै गयौ ?-मेरे घर में अगर तीन ट्रक सामान है, तो वे सिर्फ एक बैगपैक जितना ही ले गए चचा! पुस्तकों, बहुमूल्य पांडुलिपियों, मेरे लैपटॉप समेत घर के किसी भी इलेक्ट्रॉनिक सामान को हाथ नहीं लगाया। कपड़े हर अलमारी से बिखरा गए, लिया एक नहीं। पद्मश्री सहित सारे अवॉर्ड, मोमेंटों, ताम्र-पत्र इत्यादि छोड़ गए। कितनी राहत की बात है, गांधी, बुद्ध, गणोश, सरस्वती की कांस्य प्रतिमाएं मूल्यवान थीं, नहीं ले गए। लक्ष्मी जी की प्रतिमा मिट्टी की थी, लेकिन उनकी दिलचस्पी घनत्वपूर्ण साकार लक्ष्मी में ही थी। बस जेवर-नगदी ही ले गए? दरअसल, परिवार में दो शादियां थीं। मां-बेटी ने जेवर लॉकर से लाकर रखे थे। सुरच्छा कौ इंतजाम ना ओ का? था, पर लगता है, लोहे के दरवाजों पर श्रेष्ठतम

कपड़े हर अलमारी से बिखरा गए, लिया एक नहीं। पद्मश्री सहित सारे अवॉर्ड, मोमेंटों, ताम्र-पत्र इत्यादि छोड़ गए। कितनी राहत की बात है, गांधी, बुद्ध, गणोश, सरस्वती की कांस्य प्रतिमाएं मूल्यवान थीं, नहीं ले गए। लक्ष्मी जी की प्रतिमा मिट्टी की थी, लेकिन उनकी दिलचस्पी घनत्वपूर्ण साकार लक्ष्मी में ही थी। बस जेवर-नगदी ही ले गए?

ताले सुरक्षा नहीं करते, बल्कि चोरों के लिए आमंत्रण-पत्र की तरह लटके होते हैं। चौरकर्मकला में निष्णात कलाकार इन्हें रबर-गत्ते की तरह मोड़ देते हैं। पापड़ की तरह तोड़ देते हैं। एक अलमारी, जो काका हाथरसी जी के पौत्र ने अपनी प्यारी बुआ को अमरीका जाने से पहले दी थी, उस पर हमें भरोसामिश्रित गर्व था, पर अलमारी स्वयं क्या टूटी, हमारा गर्व भी तोड़ गई। दो भागों में बंटी अलमारी देखकर चोर समझ गए की ये हिस्सा कवि का होगा दूसरा कविपत्नी का। मेरा हिस्से से कुछ नहीं गया, पर उनके हिस्से के हर खाने को अच्छी तरह से खंगाला जा चुका था। उनके सारे बटुए, डिब्बे और छोटे-छोटे पाउच, जिनमें आभूषण रखे थे, पलंग की रजाई के ऊपर खाली पड़े थे। चचा आपकी बहूरानी को सदमा तो लगा पर उन्होंने उफ तक नहीं की। दुख को उन्होंने रोया नहीं। जान की सलामती की खैर मनाई। पहली हाय उनकी किस बात पर निकली, मालूम है। -बता! -उनकी रजाइयों पर चोर ने गुटखे की पीक मारी थी। उसे देखकर उनके मुंह से निकला, ''हाय, मेरी रजाइयों पर थूक गए।' मैं बड़ी जोर से हंसा, वे भी मुस्कुराई। चोर हमारी हंसी नहीं चुरा सकते। -जादा सेखचिल्ली मत बन। नुकसान कित्तौ भयौ? पुलिस कछू करई ऐ?--ये आप पुलिस से पूछिए! मैंने सदा उन पर व्यंग्य किया है, किस मुंह से पूछूं?

सत्संग

बुद्धिमत्ता

अपने जीवन को किसी और की बुद्धिमत्ता से देखना बंद कीजिए। अपने जीवन को थोड़ी ज्यादा बुद्धिमत्ता से देखना सीखिए। यदि और कोई प्रभाव न पड़ने दिए जाएं तो हरेक के पास अपने जीवन को संवेदनशीलता के साथ देखने की बुद्धिमत्ता तो होती है। समस्या यह है कि आप भूतकाल और वर्तमान के भी आदर्श, सफल व्यक्तियों से बहुत प्रभावित होते हैं। आखिर में तो, आप मानसिक रूप से बस प्रशंसक दल के ही सदस्य होते हैं। प्रशंसक होना बुनियादी मानसिकता है। हर सामान्य बच्चा एक पूर्ण जीव की तरह होता है। आप एक बच्चे को सिर्फ उसकी पूर्ण क्षमता प्राप्त करने के लिए पोषित कर सकते हैं। उसको कुछ और नहीं बना सकते। आप के ख्याल में नारियल का वृक्ष ही आदर्श वृक्ष हो और आप के बगीचे में आम का एक पौधा उग आता है तो क्या करेंगे? चूंकि यह नारियल के वृक्ष की तरह नहीं दिखता तो क्या उसकी सिर्फ एक सीधी डाल छोड़ कर बाकी सब डालें काट डालेंगे? यह तो एक बहुत ही खराब आम का पेड़ होगा। ऐसे ही आप सिर्फइतना कर सकते हैं कि बच्चे को उसकी पूर्ण बुद्धिमत्ता, शारीरिक खुशहाली और भावनात्मक खुशहाली प्राप्त करने के लिए पोषित करें। यह तभी होगा जब उसको सिर्फ पोषण दें, उससे छेड़छाड़ न करें। बच्चे आप के माध्यम से दुनिया में आते हैं, आप में से नहीं आते। कभी मत सोचिए कि वे आप के हैं। यह आप का विशेष अधिकार है कि वे आपके द्वारा आए हैं। तो आप का काम यह है कि उन्हें प्रेमपूर्ण और सहायक वातावरण प्रदान करें। उन पर अपने विचार, फिलोसफी, अपनी भावनाएं एवं विचार पण्राली और अन्य फालतू की चीजें मत थोपिए। उनके पास खुद की काफी बुद्धि है कि वे अपना रास्ता बना सकें। आप उनके लिए आवश्यक और अनुकूल वातावरण बनाएं, जिससे उनकी बुद्धिमत्ता पूर्ण विकसित हो सके तो वे अपने हिसाब से सब कुछ संभाल लेंगे। ''क्या सब कुछ ठीक होगा'? यह सही हो सकता है, गलत भी हो सकता है-मुद्दा यह नहीं है। लेकिन अगर बच्चा अपनी बुद्धि का उपयोग करते हुए बड़ा होता है तो गलत होने की संभावना बहुत कम है। गलती भी करता है तो उसे सुधारने के लिए उसके पास बुद्धि है। जब तक वे सिर्फ अपनी खुशहाली के लिए काम कर रहे हैं और अपने जीवन के ही विरुद्ध कुछ नकारात्मक नहीं कर रहे, आप को प्रतीक्षा करनी चाहिए।

फोटोग्राफी...

मेले का लुत्फ लेते विदेशी।

प्रयागराज में चल रहे कुंभ मेला के दौरान मंगलवार को संगम पर राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे।

''कर लो दुनिया मुट्ठी में'

सर्वोच्च न्यायालय के आंकड़े 1 दिसम्बर 2018 तक और उच्च न्यायालय के आंकड़े 30 जनवरी 2019 तक के हैं। जब हम ''भारत के लोग' अपना नया स्वतंत्रता दिवस मना रहे हैं, बाबा नागार्जुन की एक प्रसिद्ध कविता का वह सवाल पहले से ज्यादा प्रासंगिक हो गया है, जिसमें पहले वे पूछते हैं : किसकी है जनवरी, किसका अगस्त है? बाबा अपने सवाल को कौन त्रस्त, कौन पस्त और कौन मस्त तक भी ले जाते हैं, तो लगता है कि उन्हें आज की तारीख में हमारे सामने उपस्थित विकट हालात का पहले से इल्म था।

इन हालात की विडम्बना देखिए : एक ओर तो अब हमारे नेता देश को समता, स्वतंत्रता और न्याय पर आधारित संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने का 26 नवम्बर, 1949 को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित संकल्प को संविधान की पोथियों में भी चैन से नहीं रहने देना चाहते; और दूसरी ओर गैर-बराबरी का भस्मासुर न सिर्फ हमारी बल्कि दुनिया भर की जनतांत्रिक शक्तियों के सिर पर अपना हाथ रखकर उन्हें धमकाने पर आमादा है कि लोकतंत्र की अपनी परिकल्पनाओं को लेकर किसी मुगालते में न रहें। अमीरी का जाया यह असुर उनके सारे के सारे मूल्यों को तहस-नहस करने का मंसूबा लिए उन्मत्त होकर आगे बढ़ा आ रहा है, और आरजू या मिनती कुछ भी सुनने के मूड में नहीं है।

जब हम अपना पिछला गणतंत्र दिवस मनाने वाले थे, गरीबी उन्मूलन के लिए काम करने का दावा करने वाले ऑक्सफेम इंटरनेशनल ने एक सर्वेक्षण में बताया गया था कि आर्थिक विषमता की, जो सभी तरह की स्वतंत्रताओं और इंसाफों की साझा दुश्मन है, दुनिया भर में ऐसी पौ-बारह हो गई है कि पिछले साल बढ़ी 762 अरब डॉलर की संपत्ति का 82 फीसदी हिस्सा एक प्रतिशत धनकुबेरों के कब्जे में चला गया है, अधिसंख्य आबादी को जस की तस बदहाल रखते हुए।

इस संपत्ति के रूप में धनकुबेरों ने गरीबी को सात बार सारी दुनिया से खत्म कर सकने का सार्मय इस एक साल में ही अपनी मुट्ठी में कर लिया तो क्या आश्चर्य कि गरीबों के लिए ''कर लो दुनिया मुट्ठी में' का अर्थ एक संचार सेवाप्रदाता कंपनी के झांसे का शिकार होना भर हो गया है।

अनर्थ यह कि 50 प्रतिशत अत्यंत गरीब आबादी को आर्थिक वृद्धि में कतई कोई हिस्सा नहीं मिल पाया है, जबकि अरबपतियों की संख्या बढ़कर 2,043 हो गई है। इनमें 90 फीसदी पुरुष हैं यानी यह आर्थिक ही नहीं लैंगिक असमानता का भी मामला है, पितृसत्ता के नये सिरे से मजबूत होने का भी। अपने देश की बात करें तो यहां 2017 में उत्पन्न कुल संपत्ति का 73 प्रतिशत हिस्सा ही एक प्रतिशत सबसे अमीरों के नाम रहा है।

''लाजिम है कि हम देखेंगे', ''बोल के लब आजाद हैं तेरे', ''कटने भी चलो बढ़ते भी चलो' उनकी ऐसी ही कुछ इंकलाबी नज्में हैं। अपने जीवनकाल में ही फैज समय और मुल्क की सरहदें लांघकर एक अंतरराष्ट्रीय शायर के तौर पर मकबूल हो चुके थे। अफ्रीका के मुक्ति संघर्ष में उन्होंने जहां ''अफ्रीका कम बैक का' नारा दिया, वहीं बेरूत में नरसंहार के खिलाफ भी एक नज्म ''एक नगमा कर्बला-ए-बेरूत के लिए' शीर्षक से लिखी। फैज की शायरी आज भी दुनिया भर में चल रहे लोकतांत्रिक संघर्ष को आवाज देती है।

एक मुकम्मल जिंदगी जीने के बाद फैज ने 20 नवम्बर, 1984 को इस दुनिया से रुखसती ली।

साढे नौ लाख रुपये तक की कमाई वाले कर देनदारी से बच सकते हैं: पीयूष गोयल

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

वित्त मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि अंतरिम बजट में दी गई राहत के बाद 9.5 लाख रुपये तक की वार्षिक कमाई करने वाला कोई भी व्यक्ति निवेश योजनाओं का लाभ उठाते हुये कर देनदारी से मुक्त हो सकता है। उन्होंने इसे सीमित कमाई वाले निम्न और मध्य आय वर्ग के लोगों के लिये राहत बताया। लोकसभा में वित्त विधेयक 2019 पर हुई चर्चा का जवाब देते हुये गोयल ने कहा कि उन्होंने बजट में आयकर की दरों में कोई बदलाव नहीं किया है केवल कुछ छूट (रिबेट) दी है। इन उपायों से लोगों की खर्च करने की क्षमता बढ़ेगी जिसका फायदा अर्थव्यवस्था को मिलेगा। गोयल के जवाब के बाद सदन ने वित्त विधेयक को ध्वनिमत से पारित कर दिया। इसके साथ ही लोकसभा में बजट पारित करने की प्रक्रिया पूरी हो गई।

वित्त मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार किसानों, गरीबों और मध्यम वर्ग को समर्पित रही है। पिछले पांच वर्ष में मोदी सरकार ने अर्थव्यवस्था का आधार मजबूत बनाने, महंगाई पर लगाम लगाने, गरीब कल्याण सुनिश्चित करते हुए 'सबका साथ, सबका विकास' के मंत्र के साथ सभी वर्गों को राहत देने का काम किया है। '' हमने मध्यम वर्ग को राहत देने का काम किया है। इसको लेकर लोगों में काफी उत्साह है।'' उन्होंने कहा कि आयकर के तहत तमाम छूट को ध्यान में रखा जाए तो अब 9- 9.5 लाख रूपये तक की सालाना आय पर निवेश के माध्यम से बिना कर दिये रहा जा सकता है। एक फरवरी को पेश अंतरिम बजट में आयकर दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है, लेकिन पांच लाख रुपये तक की करयोग्य आय पर छूट को बढ़ाकर उसे कर मुक्त कर दिया गया है। वित्त विधेयक में पांच लाख रुपये तक की सालाना आय पर कर छूट को मौजूदा 2,500 रुपये से बढ़ाकर 12,500 रुपये कर दिया। इससे इस आय वर्ग के लोगों को कर नहीं देना होगा। बीमा, बचत पत्र, भविष्य निधि, पेंशन, मकान के कर्ज पर ब्याज आदि पर निवेश पर कटौती के लाभ से सालाना 9 से 9.5 लाख रुपये तक की आय वाले भी कर भुगतान से बच सकते हैं। वित्त विधेयक में मानक कटौती को भी 40,000 रुपये से बढ़ाकर 50,000 रुपये कर दिया गया है। आम चुनाव के बाद बनने वाली नई सरकार जुलाई में पूर्ण बजट लेकर आयेगी। पूर्ण बजट में भी वित्त विधेयक में 2019- 20 के लिये कर प्रस्ताव लाये जायेंगे।गोयल ने कहा कि सरकार गरीबों और मध्य वर्ग के लोगों की जरूरत को ध्यान में रखकर

काम कर रही है और इसी के तहत आयकर नियमों में संशोधन किए जा रहे हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि नोटबंदी के बाद कर का आधार बढ़ा है। पिछले वर्ष प्रत्यक्ष कर की राशि में 18 प्रतिशत बढ़ोतरी हुई। पिछले करीब पांच वर्षों में कर के रूप में एकत्र की जाने वाली राशि दोगुनी हुई है। देश आज दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था बना है।जीएसटी से प्राप्त राशि के संदर्भ में उन्होंने कहा कि हमने इससे जुड़े कर संग्रह को ध्यान में रखने के साथ इस बात पर जोर दिया कि छोटे व्यापारियों एवं छोटे उद्योगों को कोई तकलीफ नहीं हो।गोयल ने कहा कि महंगाई की दर को हमने पूरी तरह से काबू में रखा है। कांग्रेस के समय में महंगाई की दर 12-13 प्रतिशत थी और जनवरी 2019 में यह घटकर 2.05 प्रतिशत रह गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत कर्ज पर ब्याज में राहत देने से लोगों को बड़े पैमाने पर सस्ते मकान मिलने में मदद मिली है। गोयल ने कहा कि पिछले साढे चार साल में मोदी सरकार ने समाज के हर वर्ग को और कर दाताओं को लाभ पहुंचाने का प्रयास किया है।

फिर से आर्थिक मंदी की चपेट में आ सकती है दुनिया, मशहूर इकोनॉमिस्ट ने दी चेतावनी

दुबई। नोबल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री पॉल क्रुगमैन ने आर्थिक मंदी की चेतावनी दी है. उन्होंने आर्थिक नीतियां बनाने वालों के बीच तैयारियों की कमी का हवाला देते हुए कहा कि 2019 के अंत या फिर अगले साल वैश्विक मंदी आने की 'काफी आशंका' है. क्रुगमैन ने दुबई में वर्ल्ड गर्वनमेाट शिखर सम्मेलन में बोलते हुए कहा कि इस बात की संभावना कम है कि किसी 'एक बड़ी चीज' से आर्थिक सुस्ती आए. उन्होंने कहा कि कई आर्थिक उतार-चढ़ाव या समस्याओं से आर्थिक मंदी की संभावना बढ़ जाएगी.

अगले साल मंदी आने की काफी आशंकाएं

क्रुगमैन ने कहा, 'मेरा मानना है कि इस साल के अंत तक या अगले साल मंदी आने की काफी आशंकाएं हैं.' जाने-माने अर्थशास्त्री ने कहा, 'सबसे बड़ी चिंता यह है कि यदि मंदी आ जाए तो उसका प्रभावी तरह से जवाब देने में हम सक्षम नहीं होते हैं. हमारे पास कोई सुरक्षा तंत्र नहीं है.' उन्होंने जोर देते हुए कहा कि केंद्रीय बैंक के पास अक्सर बाजार के उतार-चढ़ाव से बचने के लिए साधनों की कमी होती है. जोखिम के लिए हमारी तैयारी बहुत ही कम है.

अर्थशास्त्री ने कहा कि व्यापार युद्ध और संरक्षणवाद के बजाय नीतिगत एजेंडा हावी रहता है, जो कि इन मुद्दों से ध्यान हटा रहा है और संसाधनों को दूर कर रहा है. क्या यह हमारी वास्तविक प्राथमिकताएं होनी चाहिए.

भारत फोर्ज का मुनाफा 35 प्रतिशत से बढ़कर 79 प्रतिशत हुआ

नयी दिल्ली। वाहन के कलपुर्जे बनाने वाली कंपनी भारत फोर्ज का एकल शुद्ध लाभ 31 दिसंबर को समाप्त तीसरी तिमाही में 35-79 प्रतिशत बढ़कर 309-83 करोड़ रुपये हो गया। पिछले वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर अवधि में उसे 228-17 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। भारत फोर्ज ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि समीक्षाधीन अवधि में उसकी कुल आय 1,740-37 करोड़ रुपये हो गई। पिछले वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में उसकी आय 1,412-47 करोड़ रुपये थी।

भारत फोर्ज के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक बी एन कल्याणी ने कहा कि 'सभी श्रेणियों और भौगोलिक क्षेत्र में मजबूत प्रदर्शन' की बदौलत तीसरी तिमाही में राजस्व और मुनाफे में वृद्धि हुई। उन्होंने कहा कि इस दौरान, तेल एंव गैस श्रेणी और एयरोस्पेस एवं रक्षा श्रेणी में तिमाही में अच्छी आय रही। कंपनी को वाणिज्यिक वाहन और औद्योगिक क्षेत्र से 65 लाख डॉलर के नए ठेके मिले। कंपनी ने कहा कि उसके निदेशक मंडल ने अमित बी कल्याणी को फिर से कंपनी का कार्यकारी निदेशक नियुक्त करने की मंजूरी दी है। अमित कल्याणी कंपनी के सीएमडी बी एन कल्याणी का बेटा है।

अमेरिका में इंफोसिस के नए डिजिटल केंद्र स्थापित किए गए

नयी दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी इंफोसिस टेक्नोलॉजीज ने अमेरिका में एक नया डिजिटल नवाचार एवं डिजाइन केंद्र खोला है। रोड आइलैंड की राजधानी प्रोविडेंस में इस केंद्र में 100 से ज्यादा भर्ती किए गए हैं। टीसीएस के बाद भारत की इस दूसरी सबसे बड़ी साफ्टवेयर सेवा निर्यातक करने वाली इंफोसिस ने एक बयान में कहा है कि उसने रोड आइलैंड में 2022 तक 500 लोगों को नौकरी के अवसर देने का लक्ष्य रखा है।

इंफोसिस ने मई 2017 में घोषणा की थी वह अमेरिका में चार प्रौद्योगिकी एवं नवाचार केंद्र खोलेगी। अगले दो साल में इन केंद्रों में करीब 10,000 स्थानीय लोगों को नियुक्त करेगी। कंपनी अब तक 7,600 से ज्यादा नए कर्मचारी भर्ती कर चुकी है।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया पहुंचा 70.44 रुपये प्रति डॉलर

मुंबई। खुदरा मुद्रस्फीति के जनवरी में घटकर 19 महीने के न्यूनतम स्तर 2.05 प्रतिशत पर रहने के बाद बुधवार को रुपया शुरूआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले 26 पैसे मजबूत होकर 70.44 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया।अन्य प्रमुख विदेशी मुद्राओं के मुकाबले डॉलर में कमजोरी से भी रुपये को समर्थन मिला। मुद्रा डीलरों ने कहा कि खुदरा मुद्रास्फीति के गिरकर जनवरी में 19 महीने के निम्नतम स्तर पर आने और निर्यातकों की ओर से डॉलर की बिकवाली से भी रुपये को मजबूती मिली।रुपया मंगलवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 48 पैसे की बढ़त के साथ 70.70 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। यह रुपये का एक महीने का उच्चतम स्तर है।पिछले छह कारोबारी सत्र में रुपया 110 पैसे मजबूत हुआ है।

वाहनों में ऑटोमेटिक ब्रेकिंग सिस्टम को जरूरी करने नहीं चाहता भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)।

जापान और यूरोपीय संघ की अगुवाई में 40 देशों ने नई कारों और हल्के वाणिज्यिक वाहनों में स्वचालित ब्रेकिंग प्रणाली (एबीएस) के नियम लागू करने के प्रस्ताव पर सहमति जताई है. हालांकि, भारत, चीन और अमेरिका जैसे प्रमुख बड़े देश अभी इसके पक्ष में नहीं हैं. सभी वाहनों को स्वाचालित ब्रेक प्रौद्योगिकी से लैस करने के लिए नियमों की जरूरत होगी. इसके लिए गाड़ियों में सेंसर लगाए जाएंगे जो इस पर ध्यान देंगे पैदल चलने वाला या कोई चीज वाहन से कितनी करीब है. यदि ऐसे लगता है कि टक्कर हो सकती है और चालक ब्रेक नहीं लगाता है तो प्रणाली अपने आप से ब्रेक लगा देगी.

कम रफ्तार वाली गाड़ियों पर लागू होंगे नियम

ये उपाय 60 किलोमीटर प्रति घंटे या उससे कम स्पीड की गाड़ियों पर लागू होंगे. यह उपाय केवल हस्ताक्षर करने वाले देशों के बाजारों में बेची गई नई कारों को प्रभावित करता है इसलिए जो कारें पहले से सड़कों पर हैं, उनके मालिकों इस प्रणाली को अपने वाहनों में लगाने (रेट्रोफिट) की जरूरत नहीं होगी.

अमेरिका, चीन और भारत संयक्तराष्ट्र फोरम के सदस्य हैं. हालांकि उन्होंने वार्ता में भाग नहीं लिया है क्योंकि, वे सुनिश्चित करना चाहते हैं कि जब उद्योग क्षेत्र की बात आती है तो संयुक्त राष्ट्र के नियमों के बजाए अपने राष्ट्रीय नियमों को तरजीही देते हैं. साल 2016 में 20 वाहन निर्माताओं ने अमेरिकी सरकार के साथ सितंबर 2022 तक सभी वाहनों में स्वचालित ब्रेक प्रणाली लगाने के लिए समझौता किया था. हालांकि, इसका अनुपालन स्वैच्छिक है.

जले खाद्य तेल से जैव ईंधन उत्पादन की व्यवस्था की जाएगी: धर्मेन्द्र प्रधान

मुंबई। पेट्रोलियम मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने बुधवार को कहा कि सरकार खाना पकाने के जले तेल को जैव-ईंधन के लिए कच्चा माल घोषित करने पर विचार कर रही है जिसे डीजल के साथ मिलाया जा सकता है। सरकार ने जैवईंधन नीति के तहत 2030 तक पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनॉल और डीजल में पांच प्रतिशत जैविकडीजल मिलाने का लक्ष्य रखा गया है। इस्तेमाल के बाद बचे जले हुए खाद्य तेलों तेल को बायोडीजल में परिवर्तित करने वाले संयंत्र का उद्घाटन करने के मौके पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि इससे हमें बायोडीजल के लिये काफी हद तक जरूरी कच्चे माल की आपूर्ति में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि हमने 2030 तक डीजल में पांच प्रतिशत जैवडीजल मिलाने का लक्ष्य तय किया है लेकिन आज हमारे सामने इसके लिये जरूरी कच्चा माल प्राप्त करने की चुनौती है। इसके लिये हमने इस्तेमाल हो चुके कुकिंग आयल की पहचान की है। यह जैवडीजल में इस्तेमाल किया जा सकता है। यह संयंत्र आस्ट्रिया की स्वच्छ ऊर्जा कंपनी म्युंजेर बायोइंडस्ट्रीज जीएमबी की भारतीय इकाई म्यूंजेर भारत ने लगाया हे। खाना पकाने के बचे तेल से जैवडीजल बनाने वाली यह दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी है। कंपनी ने भारत में 2016 में काम शुरू किया। प्रधान ने कहा यूरोपीय देशों की तरह हालांकि, हमारे पास इस्तेमाल हो चुके खाने के तेल के उपयोग के लिये कोई नियमन नहीं है लेकिन इस संबंध में हम अब कई उपाय कर रहे हैं। उम्मीद है कि इन प्रयासों के साथ हम जैवडीजल के लिये 20 लाख टन तक फीडस्टॉक तैयार कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार खाने के बचे तेल को प्राथमिक जैवडीजल के तौर पर नामित करने पर भी विचार कर रही है।

होंडा सिविक फिर से भारत में देगी दस्तक, अगले महीने होगी पेश

बेंगलुरू। (एजेंसी)।

जापान की वाहन निर्माता कंपनी होंडा अगले महीने भारत में अपनी सेडान कार सिविक का नया संस्करण पेश करेगी। कंपनी ने बुधवार को यह जानकारी दी। इसके बाद अमेज, सिटी, एकॉर्ड और नई सिविक के साथ होंडा के पास चार सीडान कारें होंगी। कंपनी के पास ग्राहकों की विस्तृत श्रृंखला की जरूरतों को पूरा करने के लिए विभिन्न कीमतों के उत्पाद होंगे। होंडा कार्स इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी गाकू नाकानीशी ने बताया कि अगले महीने पेश होने वाली नई सिविक कार के साथ हम भारत में अपनी सीडान श्रेणी को पूरा करेंगे।

कंपनी ने 2006 में सिविक को भारत में पेश किया था और करीब 55,000 कारें बेचने के बाद 2013 में बंद कर दिया था। नई सिविक पर प्रतिक्रिया देते हुए नाकानीशी ने कहा कि यह कंपनी को सीडान श्रेणी में फिर से मजबूती से खड़ा करने में मदद करेगी। एक्जीक्यूटिव सीडान श्रेणी में देश में हर साल करीब 10,000 इकाइयों की बिक्री होती है। इस श्रेणी में हुंदै इलेंट्रा, स्कोडा ऑक्टिविया और टोयोटा कोरोला का दबदबा है। उन्होंने कहा कि नई सिविक पेट्रोल और डीजल दोनों संस्करणों में पेश की जाएगी।

पेट्रोल संस्करण 1.8 लीटर इंजन और सीवीटी (स्वचालित) ट्रांसमिशन के साथ आएगी जबकि डीजल संस्करण 1.6 लीटर इंजन और मैनुअप छह स्पीड ट्रांसमिशन के साथ आएगी। कंपनी के मुताबिक, पेट्रोल संस्करण 16.5 किलोमीटर प्रति लीटर जबकि डीजल संस्करण 26.8 किलोमीटर प्रति लीटर का माइलेज देगी।

खुदरा मुद्रास्फीति जनवरी में घटकर 2.05 प्रतिशत पर आयी

नयी दिल्ली। अंडा, सब्जी समेत खाद्य वस्तुओं के दाम कम होने से खुदरा मुद्रास्फीति जनवरी में पिछले माह के मुकाबले घटकर 2.05 प्रतिशत पर आ गयी। दिसंबर 2018 के संशोधित आंकड़ों के अनुसार उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा मुद्रास्फीति उस माह 2.11 प्रतिशत थी जबकि प्रारंभिक आंकड़ों में इसे 2.19 प्रतिशत बताया गया था। जनवरी, 2018 में खुदरा मुद्रास्फीति 5.07 प्रतिशत थी। केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने आगे कहा कि ईंधन और लाइट श्रेणी में भी महंगाई दर इस साल जनवरी में घटकर 2.2 प्रतिशत पर आ गयी जो दिसंबर 2018 में 4.54 प्रतिशत थी। रिजर्व बैंक द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा में खुदरा मुदास्फीति को ध्यान में रखता है। महंगाई दर में कमी के कारण केंद्रीय बैंक ने पिछले सप्ताह प्रमुख नीतिगत दर रेपो में 0.25 प्रतिशत की कमी कर के उसे 6.25 प्रतिशत पर ला दिया है।

2 हजार नहीं किसानों के खाते में चुनाव से पहले आएंगे 4 हजार, सरकार ने बदला प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्र सरकार लोकसभा चुनाव की घोषणा से पहले हाल में घोषित योजना प्रधानमंत्री पीएम-किसान योजना के तहत पात्र किसानों को दो किस्तों का भुगतान करने की तैयारी कर रही है. इससे किसानों के खाते में सीधे 4,000 रुपये आएगा. कृषि मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस बारे में जानकारी दी. अंतरिम-बजट में, वित्त मंत्री पीयूष गोयल ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) नामक प्रत्यक्ष आय सहायता योजना की घोषणा की. जिसके तहत करीब 12 करोड़ लघु एवं सीमांत किसानों को प्रति वर्ष 6000 करोड़ रुपये का भुगतान किया जाएगा. यह धन सीधे उनके बैंक खातों में तीन किश्तों में दिए जाएंगे.

1 दिसंबर 2018 से हुई योजना की शुरुआत

नियम के अनुसार दो हेक्टेयर तक की जोत वाले किसान इसके हकदार होंगे. गोयल ने यह भी कहा था कि यह योजना इसी वित्तीय वर्ष में 1 दिसंबर 2018 से शुरू की जाएगी और मार्च 2019 तक आय सहायता की पहली 2,000 रुपये की किस्त का भुगतान कर दिया जाएगा. अधिकारी ने बताया, %राज्य सरकारें पात्र किसानों की पहचान करने की प्रक्रिया में हैं. उम्मीद है लाभार्थियों की प्रारंभिक सूची जल्द ही तैयार हो जाएगी.%

कई राज्यों में भूमि रिकॉर्ड को डिजिटल किया

अधिकारी ने कहा कि कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र जैसे कई राज्यों ने भूमि रिकॉर्ड को डिजिटल कर दिया है. तेलंगाना, ओडिशा और झारखंड के पास भी आंकड़े हैं क्योंकि इन राज्यों ने भी इसी तरह की योजनाओं की घोषणा की है. यह पूछे जाने पर कि क्या लोकसभा चुनाव से पहले दो किस्तें दी जाएंगी, अधिकारी ने कहा, 'हम इसके लिए तैयारी कर रहे हैं. हम लोकसभा चुनाव से पहले दो किस्त किसानों के खाते में ट्रांसफर होने की उम्मीद करते हैं. यह राशि 4,000 रुपये होगी.'

अधिकारी ने कहा कि चूंकि इस योजना को चालू वित्त वर्ष में लागू किया जा रहा है, इसलिए अगले महीने किसी भी समय आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद भी इसका क्रियान्वयन प्रभावित नहीं होगा. अप्रैल-मई में लोकसभा चुनाव होने हैं. प्रधानमंत्री-किसान के दिशा-निर्देशों के अनुसार, सभी संस्थागत भूमि धारक, संवैधानिक पद रखने वाले, सभी सेवारत या रिटायर्ड अधिकारी, केंद्र और राज्य सरकार के कर्मचारियों के साथ-साथ सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (पीएसयू), 10,000 रुपये से अधिक मासिक पेंशन पाने वाले सभी सेवानिवृत्त पेंशनभोगी, आयकर दाताओं और डॉक्टर एवं इंजीनियरों जैसे पेशेवरों को योजना से बाहर रखा गया है.

सरकार ने योजना के तहत लाभार्थियों की पात्रता का निर्धारण करने के लिए समय सीमा 1 फरवरी, 2019 को निर्धारित किया है और इसके बाद अगले पांच वर्षों के लिए योजना के तहत लाभ प्राप्त करने के लिए कोई बदलाव नहीं किया जाएगा. 1 दिसंबर, 2018 और 31 जनवरी, 2019 के बीच स्थानांतरित की गई भूमि का स्वामित्व रखने वाले लोग इस योजना के तहत लाभ के प्राप्त करने के पात्र होंगे. हालांकि पहली किस्त हस्तांतरण की तारीख से आनुपातिक रूप से दी जाएगी.

फायर सेफ्टी के अभाव में अलथाण के मेग्नस मोल की डेढ सौ दुकानें सील

सूरत। सूरत के अलथाण केनाल रोड स्थित मेग्नस मोल की दुकानों में फायर सेफ्टी के साधन नहीं होने पर फायर विभाग द्वारा 150 जितनी दुकानें सील करने से व्यापारियों में खलबली मच गई। फायर विभाग के सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक सूरत के अलथाणा केनाल रोड स्थित मेग्नस मोल में ग्राउंड लोर से लेकर तीसरी मंझिल तक कोचिंग क्लास समेत दुकानें और ऑफीसें हैं। हाईराइज बिल्डिंग होने के बावजूद एक भी दुकान में फायर सफ्टी की व्यवस्था नहीं थी। हांलाकि इस संदर्भ में फायर विभाग की ओर से दिसंबर 2018 में पहली नोटिस दी गई थी। जिसके बाद 4 फरवरी को दूसरी नोटिस दुकान मालिकों को जारी की गई। दो दफा नोटिस जारी करने के बावजूद दुकान मालिकों ने फायर सेफ्टी की व्यवस्था नहीं की और न ही फायर विभाग से संपर्क किया। नतीजतन फायर विभाग ने कड़ी कार्यवाही करते हुए आज 150 जितनी दुकानों को सील कर दिया। फायर विभाग की इस कार्यवाही से व्यापारियों में हड़क प मच गया है।

विद्यार्थियों को ले जा रहा टैम्पो पलटने से दुर्घटना

सूरत । सूरत में कामरेज तहसील के ओरणा गांव में विद्यार्थियों से भरा टैम्पो पलटने की वजह से विद्यार्थियों और अभिभावकों में भगदड़ मच गई । सूरत में कामरेज के ओरणा गांव निकट विद्यार्थियों से भरा टैम्पो अचानक पलट गया था। जिसकी वजह से २० से ज्यादा विद्यार्थी घायल हो गये । इस टैम्पो में ४० विद्यार्थी सवार थे । घायल सभी विद्यार्थियों को निकट के अस्पताल में भर्ती कराया गया ।

प्राथमिक जानकारी के अनुसार, सभी विद्यार्थी कीम के अचानक नियंत्रण गंवाने से टैम्पो पलट गई । इस दुर्घटना में २० से ज्यादा विद्यार्थी घायल हुए थे। घायल सभी विद्यार्थियों को उपचार के लिए बारडोली की सरदार स्मारक अस्पताल में भर्ती कराया गया। यह विद्यार्थी बारडोली के भूवासन बुनियादी स्कूल के विद्यार्थी कीम में चल रहा गांधी मेले में जा रहे थे । घटना की वजह से स्थानीय लोगों की भीड़ एकत्र हो गई और विद्यार्थियों के अभिभावक भी अस्पताल में पहुंच गये । इस गंभीर दुर्घटना में २० से ज्यादा विद्यार्थी होने की वजह से पूरे क्षेत्र में सनसनी मच गई। स्थानीय पुलिस ने भी इस घटना को लेकर आगे की जांच शुरू कर दी ।

राहुल की रैली-सभा में बड़ी संख्या में लोग पहुंचेंगे

राहुल गांधी आज धरमपुर से चुनाव का बिगुल फूंकेंगे

राहुल राफेल डील, किसानों, बेरोजगारी सहित के मुद्दे पर मोदी सरकार-भाजपा सरकार पर कड़े प्रहार करेंगे

अहमदाबाद । गुजरात में आगामी लोकसभा चुनाव का बिगुल फूंकने के लिए गुरुवार को दोपहर में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी वलसाड जिले के धरमपुर में पहुंच रहे हैं। वह धरमपुर के लाल डुंगरी मैदान में दोपहर में एक बजे ज नआक्रोश रैली को संबोधित करेंगे। इस रैली में बड़ी संख्या में लोग पहुंचने की संभावना होने की वजह से पार्टी में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है।

आगामी लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के प्रचार अभियान की शुरुआत करने के लिए राहुल गांधी गुरुवार को दक्षिण गुजरात के वलसाड जिले के धरमपुर में आयोजित होने वाली जनआक्रोश रैली को संबोधित करेंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमित चावडा, विधानसभा विपक्षी पार्टी के नेता परेश धानाणी, पूर्व अध्यक्ष अज ुन मोढवाडिया, सिद्धार्थ पटेल, अन्य अग्रणी मोहनसिंह राठवा, शैलेश परमार तथा दक्षिण गुज रात के पार्टी के विधायक और और अग्रणी जनआक्रोश रैली के आयोजन को लेकर फिलहाल धरमपुर में है। इस दौरान कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता डॉ. मनीष दोशी ने बताया कि, गुरुवार की रैली धरमपुर के ऐतिहासिक लाल डुंगरी मैदान में आयोजित किया जाएगा। रैली के लिए पार्टी की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षा सोनिया गांधी राजनीतिक सलाहकार और राज्यसभा के संसद सदस्य अहमद पटेल अहमदाबाद पहुंच चुके है। उनके साथ गुरुवार की रैली में पार्टी के प्रदेश प्रभारी राजीव सातव भी शामिल होंगे । कांग्रेस के लिए धरमपुर का लाल डुंगरी मैदान ऐतिहासिक साबित हुआ है । इस मैदान में पहले इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और सोनिया गांधी ने संबंधित समय की लोकसभा चुनाव पहले विशाल रैली को संबोधित किया था। इसके बाद केन्द्र में कांग्रेस की सरकार बनी होने से कांग्रेस के आंतरिक गलियारों में लाल डुंगरी मैदान को लकी मैदान के तौर पहचान मिल गई है।

गुरुवार को राहुल गांधी दिल्ली या मुंबई से विमान द्वारा सूरत पहुंचकर वहां से हेलिकॉप्टर द्वारा धरमपुर जाएंगे । गुरुवार को रैली और सभा के दौरान फिर से राहुल गांधी राफेल डील, किसानों, बेरोजगारी सहित के मुद्दे पर मोदी सरकार और भाजपा सरकार पर कड़े प्रहार करेंगे

सूरत। गुर्जर समाज ने राजस्थान में चल रहे गुर्जर आरक्षण आंदोलन के समर्थ में रैली निकाल कर जिला सेवा सदन अठवा लाईंस में अपना ज्ञापन सौंपा।

राज्य में स्वाइन फ्लू का कहर जारी : नए केस सामने आए

अहमदाबाद। गुजरात में स्वाइन फ्लू का कहर जारी है, हालाकि सरकार की ओर से मरीजों की संख्या में खासी कमी बताई जा रही है। मौत का आंकड़ा आज ५७ पर पहुंच गया था। आज बडौदा में एक की मौत हो गई थी। मौत का आंकड़ा अनधिकृत रूप से ७८ पर पहुंच गया है। फिर भी एक दिन में प्रदेश में ३२ नए मरीजों की पुष्टि हुई है, इनमें से सात अहमदाबाद के हैं। दूसरी ओर राज्य के कई इलाकों से आ रही खबरें सरकार के आंकड़ों से मेल नही खा रही हैं। राज्य सरकार का दावा है कि सभी अस्पतालों में दवाइयां और संसाधन पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। इसे लेकर स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ चर्चा की गई। राज्य में मंगलवार को नए ३२ मरीजों की पहचान हुई थी। इनमें से सात अहमदाबाद व वडोदरा में पांच, सुरत, साबरकांठा एवं बनासकांठा जिले में दो-दो मरीजों की पुष्टि हुई है। भावनगर मनपा, राजकोट मनपा, गांधीनगर, अमरेली, आणंद, अहमदाबाद जिला, महेसाणा, वडोदरा, गांधीनगर मनपा, पाटण, बोटाद, खेडा, भरूच और छोटा उदेपुर में एक एक मरीज सामने आए हैं।

यह टाइगर्स एमपी के जांबुआ में भी दिखाई दिया था

महीसागर के जंगलों में दिखे टाइगर्स को आग की दहशत

महीसागर के लुणावाडा के गढ जंगल क्षेत्र में दिखाई दिया टाइगर्स मध्यप्रदेश के जांबुआ का होने का दावा

अहमदाबाद। महीसागर जिला के जंगल में दिखाई दिया राष्ट्रीय प्राणी टाइगर्स को बचाने के लिए वन विभाग द्वारा अब राउंड द क्लॉक पेट्रोलिंग की जाएगी। इसके साथ ही आगामी गर्मी के सिजन में जंगल में आग नहीं लग जाए इसके लिए विशेष रूप से ध्यान रखने के लिए सभी फॉरेस्ट ऑफिसरों को डीएफओ. और सीसीएफ द्वारा सूचना जारी किया गया है। दूसरी तरफ, वन विभाग द्वारा दावा किया गया कि, यह टाइगर्स करीब एक वर्ष पहले मध्यप्रदेश के जांबुआ के जंगलों में देखने को मिला तब से खाना-पानी की खोज में गुजरात तरफ आ गये हो ऐसा माना जा रहा है। इस मामले में गोधरा रेंज फॉरेस्ट ऑफिसरों रोहित पटेल ने बताया है कि, महीसागर के जंगल में टाइगर्स होने की पुष्टि होने के बाद टाइगर्स ४० से ५० किमी. के ज ंगल में घूम सकता है। मंगलवार

रात को लगाये गये नाइट विजन कैमरा बुधवार को सुबह में चेक किया गया था, लेकिन इसमें टाइगर्स नहीं दिखाई दिया।

अब डीएफओ. और सीसीएफ की सूचना और मार्गदर्शन के तहत टाइगर्स की सुरक्षा के लिए कदम उठाये जाएंगे । विशेष करके आगामी गर्मी के सिजन में जंगल में आग नहीं लग जाए इसके लिए विशेष रूप से ध्यान रखने की ज रूरत है। उन्होंने आगे बताया है कि, टाइगर्स को गर्मी लगने से गुफा में नहीं रहता है। टाइगर्स खुले में या तो पानी में रहता है । जंगल के बगल से पानम नदी गुजरती है। इसके अलावा ज ंगल में भी छोटे-बड़े तालाब है। यहां महीसागर जिला के ज ंगल में आये टाइघर्स को पानी की कमी नहीं होगी । टाइघर्स की सुरक्षा के साथ आसपास के गांव लोग तथा उनके पशुओं की सुरक्षा के लिए हमेशा फॉरेस्ट विभाग जरूरी कार्रवाई करता है । फिर भी महीसागर के जंगल में स्थित टाइगर्स की सुरक्षा के साथ आसपास के गांव लोगों को भी सावधान रहने की सूचना दी गई है। हरएक गांव के सरपंच, डेयरी प्रमुख को पत्रिका देकर ज रूरी सूचनाएं दी गई है।

स्टेच्यू ऑफ यूनिटी की टेन्टसीटी के गोदाम में आग

अहमदाबाद । नर्मदा जिले की केवडिया कोलोनी में स्थित सरदार पटेल के स्टेच्यू ऑफ यूनिटी की टेन्टसीटी के गोदाम में गत देर रात को भीषण आग लगने से अराजकता माहौल पैदा हो गया । यह आग पर सरदार सरोवर के फायर विभाग ने काफी प्रयास के बाद नियंत्रण में लिया गया । हालांकि, गोदाम में रखा गया मालसामान सहित सभी चीजवस्तु जलकर खाक हो गई थी । इस घटना में कोई घायल या जानहानि दर्ज नहीं होने से स्थानीय निवासी सहित प्रशासन के अधिकारियों ने भी राहत महसूस की । प्राथमिक अनुमान में यह घटना शॉर्ट सर्किट की वजह से हुआ यह सामने आ रहा है ।

हालांकि, स्टेच्यू ऑफ यूनिटी की टेन्टसीटी के गोदाम में भीषण आग के समाचार को लेकर पूरे क्षेत्र में सनसनी मच गई । इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार, गत देर रात को नर्मदा की केवडिया कोलोनी में स्थित स्टेच्यू ऑफ यूनिटी की टेन्टसीटी में आग लग गई थी । उल्लेखनीय है कि, इस टेन्टसीटी में पर्यटक ठहरते है । गत रात के समय में शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लग गई थी । देखते ही देखते आग ने प्रचंड रूप धारण कर लिया ।

सरकार ने वेतन में सात फीसदी की वृद्धि की

सर्व शिक्षा अभियान कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारियों के वेतन में वृद्धि

सरकार के निर्णय की वजह से करार आधारित कर्मचारियों में खुशी की लहर : चालू महीने से ही लाभ मिलेगा

अहमदाबाद। गुजरात सरकार द्वारा सर्व शिक्षा अभियान के करार आधारित कर्मचारियों के वेतन में ७ फीसदी की वृद्धि की गई है। यह वेतन वृद्धि का लाभ १ फरवरी से मिलेगा । राज्य सरकार के निर्णय की वजह से सर्व शिक्षा अभियान के कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारियों में खुशी की लहर फैल गई । सर्व शिक्षा अभियान के कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारियों को यह लाभ वर्ष २०१२ से २०१८ तक नियुक्त हुए कर्मचारियों को १ज नवरी, २०१९ से मिलेगा । वर्ष २०१२ से २०१८ के दौरान करार आधारित नियुक्ति की गई हो ऐसे कर्मचारियों को उनकी प्रथम एसएसए (सर्व शिक्षा अभियान) की वर्तमान तारीख ध्यान में लेकर वर्ष २०१९ में जिस महीने में वर्ष पूरा होता हो उस महीने में हाल मिल रहा फीक्स वेतन में ७ फीसदी की वृद्धि की जाएगी । राज्य सरकार के निर्णय की वजह से सर्व शिक्षा अभियान के कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारियों में खुशी की लहर फैल गई है, कर्माचारियों के सीनियरों ने सरकार के निर्णय का स्वागत किया। करार आधारित कर्मचारियों के करार ०१.०१.२०१९ से ३१.१२.२०१९ तक के लिए किया गया ऐसे सभी कर्मचारियों को यह आदेश बाद वेतन में ०१.०१.२०१९ के प्रभाव से फिलहाल वेतन मिल रहा है इसमें ७ फीसदी की वृद्धि की गई है। यह वेतन वृद्धि का लाभ १ फरवरी से मिल जाएगा यह महत्व की बात है।

सूरत। बुधवार को वेलेटाइंड डे के एक दिन पहले स्टार कोलेज में फैशन शो का आयोजन किया गया जिसमें लड़कियां रेड एंड वाइट कलर की ड्रेस पहनी दिखाई दी।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)**